# वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026

## वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 दिवसवार प्रतिवेदन

- प्रथम दिवस प्रतिवेदन

दिनांक: 27 जुलाई 2026 (सोमवार)

**स्थान:** पुष्करा रिसॉर्ट, पुष्कर, अजमेर ।

आयोजक: केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर ।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के आयोजन की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 अजमेर तथा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर को दी गयी थी । वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 का शुभारम्भ दिनांक 27 जुलाई 2026 (सोमवार) को प्रातः 09:00 बजे पुष्करा रिसॉर्ट, पुष्कर, अजमेर में अत्यंत गरिमामय वातावरण में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बोर्ड परीक्षा परिणामों में उत्कृष्टता, विद्यालय नेतृत्व तथा प्रभावी शैक्षणिक प्रशासन पर विचार-विमर्श एवं आगामी सत्र की कार्ययोजना तैयार करना था।

- स्वागत समारोह

सम्मेलन में उपस्थित सभी प्राचार्यों, सहायक आयुक्तों एवं गणमान्य अतिथियों का पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, अजमेर की छात्राओं द्वारा सम्मेलन हॉल के प्रवेश द्वार पर तिलक एवं गुलाब की कली (Rose Bud) भेंट कर पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

- उद्घाटन सत्र

सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री संजीत कुमार, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा को माल्यार्पण एंव दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, अजमेर के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना तथा अतिथि स्वागत गायन की अति मनमोहक सुंदर प्रस्तुति दी गयी।

इसके पश्चात पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, अजमेर के प्राचार्य श्री देवेंद्र कुमार देरान ने मुख्य अतिथि श्री संजीत कुमार जी उपायुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर, उस्थित तीनों सहायक आयुक्त केविसं.क्षे.का.जयपुर श्री माधो सिंह जी , श्री विकास गुप्ता जी और श्री दिनेश चन्द मीणा जी का हरित अभिनंदन (Green Welcome) करते हुए स्वागत भाषण दिया।

मुख्य अतिथि श्री संजीत कुमार जी ने अपने प्रेरणादायी मुख्य उद्बोधन (Key Note Address) में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर विशेष बल दिया–

- ❖ कक्षा IX एवं XI के परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट एवं गुणवत्ता आधारित होने चाहिए।
- ❖ CBL (Competency Based Learning), CBA (Competency Based Assessment) एवं PBL (Project Based Learning) कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन श्री अरविन्द सोसायटी के सहयोग से किया जाए।
- ❖ FLN (Foundational Literacy and Numeracy) के लक्ष्य को मार्च 2027 तक कक्षा III तक पूर्ण किया जाए।
- ❖ समागम पोर्टल पर विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं अन्य गतिविधियों का नियमित एवं शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित किया जाए।
- ❖ प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रतिवर्ष 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास (CPD) पूर्ण किया जाए।
- ❖ विद्यालयों में STEAM आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए।
- ❖ शिक्षक निरंतर अधिगम (Teacher Learning) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।
- ❖ प्रत्येक विद्यार्थी की उपलब्धि एवं अधिगम परिणामों पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- ❖ विद्यालय का वातावरण सकारात्मक, प्रेरणादायक एवं शिक्षण-अनुकूल बनाया जाए।
- ❖ कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए पृथक सूची एवं सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार की जाए।
- ❖ कक्षा IX हेतु CBSE द्वारा जारी नवीन शैक्षणिक दिशा-निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- ❖ के.वि.सं.जयपुर संभाग द्वारा लगातार चौथी बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना जयपुर संभाग के लिए अत्यंत गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।
- ❖ केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षा संहिता के अनुच्छेद 59 एवं 81 का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए प्रशासनिक जागरूकता पर बल दिया गया।
- ❖ विद्यालयों में POCSO एवं POSH संबंधी जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएँ।
- ❖ प्रत्येक विद्यालय में नामांकन स्वीकृत क्षमता (Sanctioned Strength) तक बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ।
- ❖ कक्षा X एवं XII के विद्यार्थियों को छठा अतिरिक्त विषय (Additional Subject) अनिवार्य रूप से अपनाने हेतु प्रेरित किया जाए।

अंत में उन्होंने कहा कि "गंभीर, समर्पित एवं निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है।"

उद्घाटन सत्र के समापन पर श्री ईश्वर सिंह, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, अजमेर ने माननीय मुख्य अतिथि, क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त अधिकारियों, सहायक आयुक्तों, उपस्थित प्राचार्यो एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति एवं सहयोगी दल के योगदान की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को आगामी प्राचार्य सम्मेलन सत्रों

के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रहित, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं सामूहिक सहयोग के संकल्प के साथ हुआ ।

- प्राचार्यों द्वारा श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (Best Practices) की प्रस्तुति

माननीय उपायुक्त महोदय के मुख्य उद्बोधन (Key Note Address) के उपरान्त पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कोटा एवं पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, जयपुर, के प्राचार्य द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान अपनाई गई श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (Best Practices) का प्रभावशाली पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण किया गया।

- सबसे पहले श्री आर. एस. तंवर, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कोटा ने अपने विद्यालय की नवाचार आधारित गतिविधियों का प्रेरणादायी प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने "पक्षी घर - कलरव कुंज" परियोजना की जानकारी दी, जिसे मात्र ₹5,000 की लागत से विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से विकसित किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता के प्रति संवेदनशीलता तथा अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने "गाँधी चरखा" परियोजना का भी परिचय दिया, जो विश्व के सबसे बड़े चरखे के रूप में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है तथा "वोकल फॉर लोकल", "आत्मनिर्भर भारत" एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा विकसित वर्मी कम्पोस्ट (जैविक खाद) गड्ढा, आर.ओ. के अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, किचन गार्डन, खिलौना आधारित शिक्षण (Toy Based Learning), 3R गतिविधियाँ (Reduce, Reuse & Recycle) तथा गतिविधि आधारित शिक्षण (Activity Based Learning) जैसी नवाचारी पहलों का भी विस्तृत प्रदर्शन किया गया। इन सभी गतिविधियों को अनुभवात्मक अधिगम एवं सतत विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया।
- इसके उपरान्त श्री प्रदीप कुमार टेलर, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2, जयपुर ने अपने विद्यालय की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आकर्षक पावर-पॉइंट एवं गुणवत्ता आधारित वीडियो प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थी-केंद्रित पहलों में छात्र एवं शिक्षक नेतृत्व विकास (Regional Leadership), मासिक क्लब गतिविधियों का मंचीय प्रदर्शन, विशेष शिक्षकों द्वारा संचालित Buddy Support System, तथा कक्षा पुस्तकालय (Classroom Libraries) के माध्यम से रोटेशन प्रणाली द्वारा पठन संस्कृति विकसित करने जैसी अभिनव गतिविधियों की जानकारी दी। तकनीक आधारित नवाचारों में App-Based Monitoring System तथा Thin Client आधारित आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि इन पहलों से विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, डिजिटल दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

दोनों प्राचार्यों द्वारा प्रस्तुत श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ अत्यन्त प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय रहीं तथा अन्य विद्यालयों के लिए नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में उत्कृष्ट मॉडल के रूप में सराही गईं।

- **प्रथम सत्र** का संचालन श्री माधो सिंह, सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने वर्ष 2025-26 के बोर्ड परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करते हुए आगामी सत्र के लक्ष्य निर्धारित किए।

## बोर्ड परीक्षा परिणाम सत्र 2025-26

- ✓ कक्षा x के परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण प्रतिशत : 99.94%, प्रदर्शन सूचकांक (PI) : 67.17, **गुणवत्ता के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करना** जयपुर संभाग के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण उपलब्धि हैं जो उचित मार्गदर्शन का पर्याय भी हैं ।
- ✓ कक्षा XII परीक्षा परिणाम में सत्र 2025-26 कुल उत्तीर्ण प्रतिशत : 99.79% PI : 67.08
- ✓ संकायवार प्रदर्शन

  कक्षा XII संकायवार प्रदर्शन में विज्ञान संकाय उत्तीर्ण प्रतिशत : 99.60% और PI - 66.46, वाणिज्य संकाय उत्तीर्ण प्रतिशत : 99.89% और PI - 66.41, मानविकी संकाय उत्तीर्ण प्रतिशत : 100% और PI - 68.62 रहा जो दर्शाता है कि मानविकी संकाय का परिणाम बहुत ही उत्साहवर्धक रहा हैं।

**शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु लक्ष्य**

बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम से कम 15% सुनिश्चित करना तथा प्रत्येक विद्यार्थी को 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कराने हेतु योजनाबद्ध प्रयास करने का लक्ष्य रखा गया जिसे सर्वसम्मति से सभी ने स्वीकार किया और प्रतिबद्धता भी जताई गयी । सभी बोर्ड कक्षाओं (X एवं XII) के विद्यार्थियों को छठा अतिरिक्त विषय प्रदान करना। उन्होंने सभी प्राचार्यों से विद्यालय स्तर पर परिणाम विश्लेषण, लक्ष्य निर्धारण, नियमित मॉनिटरिंग तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम संचालित करने का आह्वान किया।

- सम्मेलन के **अंतिम सत्र** का संचालन श्री राजेश्वर सिंह, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, उदयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने "एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) एवं कला उत्सव" विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

मुख्य बिंदु:– कक्षा VI से VIII तक के विद्यार्थी एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) गतिविधियों के लिए पात्र हैं तथा कक्षा IX से XII तक के विद्यार्थी कला उत्सव (Kala Utsav) में भाग लेने के लिए पात्र हैं।विद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक, भाषायी एवं कलात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय एवं रचनात्मकता का विकास किया जाए।कला उत्सव एवं EBSB कार्यक्रमों की समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तैयारी सुनिश्चित की जाए।

सम्मेलन के प्रथम दिवस में विद्यालय नेतृत्व, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, डिजिटल शिक्षा, बोर्ड परीक्षा परिणामों में उत्कृष्टता, शिक्षक क्षमता विकास, FLN, STEAM, समागम पोर्टल, विद्यार्थी उपलब्धि, अतिरिक्त विषय, EBSB एवं कला उत्सव जैसे विविध शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

सम्मेलन का प्रथम दिवस अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं भविष्य उन्मुख रहा तथा आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु स्पष्ट लक्ष्य एवं कार्ययोजना निर्धारित की गई। यह सम्मेलन विद्यालयों में उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रभावी नेतृत्व एवं नवाचार आधारित शिक्षण को नई दिशा प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

## वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 दिवसवार प्रतिवेदन

- **द्वितीय दिवस प्रतिवेदन**

दिनांक: 28 जुलाई 2026 (मंगलवार)

- केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ अत्यन्त गरिमामय एवं उद्देश्यपरक वातावरण में हुआ। सम्मेलन के **प्रथम सत्र** का संचालन आदरणीय श्री विकास गुप्ता, सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया। उनके व्याख्यान के प्रमुख विषय (1) खेल-कूद (Sports) एवं (2) प्रवेश (Admission) रहे। दोनों विषयों पर उन्होंने नीतिगत दिशा-निर्देशों, प्रशासनिक प्रावधानों एवं भावी कार्ययोजना का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया।

विषय-1 : खेल-कूद (Sports)

श्री विकास गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर क्षेत्र ने निरन्तर चार वर्षों से केवीएस के 25 सम्भागों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर एक गौरवपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि समस्त जयपुर संभाग के लिए अत्यन्त प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। उन्होंने केवीएस राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता (NSM) 2025-26 के उल्लेखनीय आँकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि– जयपुर संभाग से कुल 932 खिलाड़ियों ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। 125 स्वर्ण पदक, 96 रजत पदक एवं 107 कांस्य पदक अर्जित किए गए। इस प्रकार कुल 328 पदक प्राप्त कर जयपुर संभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। विशेष रूप से पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-6, जयपुर ने 30 स्वर्ण पदक अर्जित कर जयपुर संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो जयपुर संभाग के लिए गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।

खेलों के संबंध में महत्त्वपूर्ण सुझाव

श्री विकास गुप्ता द्वारा निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए गए– प्रत्येक विद्यालय की प्रातःकालीन सभा में प्रतिदिन खेल समाचारों का समावेश किया जाए तथा विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों, खिलाड़ियों एवं प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी दी जाए।

विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं खेल भावना विकसित करने हेतु प्रतिदिन प्रेरक संदेश दिया जाए। उन्होंने प्रेरणास्पद सूत्र प्रस्तुत किया–

**"मोटिवेशन का डोज़ दो मिनट रोज, फिटनेस का डोज़ आधा घंटा रोज।"** यह अभ्यास विद्यार्थियों के 360 डिग्री समग्र विकास (सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास) में अत्यन्त सहायक सिद्ध होगा। विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु विद्युत भार संतुलन (Load Balancing) सुनिश्चित करने के लिए आन्तरिक अथवा पृथक विद्युत वायरिंग की समुचित व्यवस्था की जाए। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले दलों (Teams) की संख्या का युक्तिसंगत निर्धारण मुख्यालय स्तर पर किया जा रहा है, जिससे वित्तीय संसाधनों का प्रभावी एवं मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित हो सके। राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को केन्द्रीय विद्यालयों में अधिसंख्य (Over and Above Category) के अंतर्गत प्रत्यक्ष प्रवेश (Direct Admission) प्रदान किए जाने का प्रावधान है, जिसका विद्यालयों द्वारा समुचित अनुपालन किया जाए।

## विषय-2 : प्रवेश (Admission)

प्रवेश विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए श्री विकास गुप्ता जी ने प्रवेश प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमसम्मत बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निम्नलिखित निर्देश प्रदान किए– प्रत्येक विद्यालय अपनी स्वीकृत छात्र संख्या (Sanctioned Strength) तथा प्रति अनुभाग 40 विद्यार्थियों की केवीएस निर्धारित सीमा के अनुरूप सभी रिक्त सीटों को 31 जुलाई तक अनिवार्य रूप से भरना सुनिश्चित करे। यदि किसी कक्षा में रिक्तियाँ उपलब्ध हों तो नियमानुसार समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। बोर्ड कक्षाओं कक्षा X एवं XII में श्रेणी-I एवं श्रेणी-II के विद्यार्थियों को नियमानुसार प्रत्यक्ष प्रवेश प्रदान किया जा सकता है। 31 जुलाई के उपरान्त श्रेणी-V (Category-V) के प्रवेश प्रकरण सामान्यतः क्षेत्रीय कार्यालय को अनुमोदन हेतु प्रेषित न किए जाएँ। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) के अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थियों को कक्षा VIII तक सभी लाभ प्राप्त होंगे तथा यदि विद्यार्थी का स्थानान्तरण किसी अन्य केन्द्रीय विद्यालय में होता है, तो भी उक्त सुविधा पूर्ववत् प्रदान की जाएगी। प्रवेश प्रदान करने से पूर्व प्रत्येक विद्यार्थी की जन्मतिथि (Date of Birth) का अभिलेखों के आधार पर सावधानीपूर्वक सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। प्रत्येक विद्यालय यह सुनिश्चित करे कि उसका नामांकन (Enrollment) निरन्तर बढ़े तथा किसी भी स्थिति में उसमें कमी न आने पाए। निकट भविष्य में केवीएस समागम पोर्टल के माध्यम से स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (Transfer Certificate - TC) जारी किए जाने की व्यवस्था प्रारम्भ की जाएगी। इससे टी.सी. निर्गमन की प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी एवं सुरक्षित होगी तथा टी.सी. के दुरुपयोग की संभावनाएँ स्वतः समाप्त हो जाएँगी। द्वितीय दिवस का प्रथम सत्र अत्यन्त ज्ञानवर्धक, व्यवहारिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा। आदरणीय श्री विकास गुप्ता, सहायक आयुक्त द्वारा खेलों में उत्कृष्टता, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, स्वस्थ जीवनशैली, प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता, नामांकन वृद्धि तथा डिजिटल प्रशासन जैसे विषयों पर दिए गए मार्गदर्शन ने सभी प्राचार्यों को आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु स्पष्ट दिशा प्रदान की। उनके विचारों ने यह संदेश दिया कि सुदृढ़ खेल संस्कृति, गुणवत्तापूर्ण प्रवेश व्यवस्था तथा प्रभावी प्रशासन ही एक उत्कृष्ट विद्यालय की आधारशिला हैं।

- द्वितीय दिवस के **द्वितीय सत्र** का संचालन पुनः आदरणीय श्री माधो सिंह, सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया। इस सत्र का मुख्य विषय शैक्षणिक सत्र

2025-26 के कक्षा X एवं कक्षा XII के बोर्ड परीक्षा परिणामों का विद्यालयवार (KV-wise) एवं विषयवार (Subject-wise) विश्लेषण था। श्री माधो सिंह ने विस्तृत आँकड़ों के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय के परीक्षा परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों एवं अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों की समीक्षा की। उन्होंने परिणामों के आधार पर आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए सुधारात्मक रणनीतियों पर विशेष बल दिया।

## कक्षा X बोर्ड परीक्षा परिणाम का विश्लेषण

उन्होंने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग के अंतर्गत कुल 5,117 विद्यार्थियों ने कक्षा X की बोर्ड परीक्षा में सहभागिता की, जिनमें से 5,114 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार क्षेत्र का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.94% रहा तथा प्रदर्शन सूचकांक (Performance Index - PI) 67.17 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि का परिचायक है।

कक्षा X में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन विद्यालय ,केन्द्रीय विद्यालय, सीकर ,केन्द्रीय विद्यालय, सवाई माधोपुर ,केन्द्रीय विद्यालय, नागौर सभी ने इनके श्रेठ परिणामों की करतल ध्वनी से सराहना की एवं सभी विद्यालयों को उक्त श्रेठ परिणाम देने वाले विद्यालयों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (Best Practices) को अंगीकार करने कि सलाह दी गयी तथा कक्षा X में अपेक्षाकृत सुधार की आवश्यकता वाले विद्यालय ,केन्द्रीय विद्यालय, प्रतापगढ़ ,केन्द्रीय विद्यालय, ब्यावर , केन्द्रीय विद्यालय, पाली को सुधार हेतु सुझाव भी दिए गए । श्री माधो सिंह ने इन विद्यालयों के परिणामों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए सुझाव दिया कि प्रत्येक विद्यालय विषयवार उपलब्धियों एवं कमियों का अध्ययन कर लक्षित सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार करे।

## कक्षा XII बोर्ड परीक्षा परिणाम का विश्लेषण

कक्षा XII के परिणामों की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि जयपुर संभाग से कुल 3,750 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 3,742 विद्यार्थी सफल रहे। इस प्रकार जयपुर संभाग का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.79% तथा प्रदर्शन सूचकांक (PI) 67.08 रहा। कक्षा XII में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन विद्यालय , केन्द्रीय विद्यालय, अनूपगढ़ , केन्द्रीय विद्यालय, जैसलमेर , केन्द्रीय विद्यालय, लालगढ़ जाटान सभी ने इनके श्रेठ परिणामों की करतल ध्वनी से सराहना की एवं सभी विद्यालयों को उक्त श्रेठ परिणाम देने वाले विद्यालयों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (Best Practices) को अंगीकार करने की सलाह दी गयी तथा कक्षा XII में अपेक्षाकृत सुधार की आवश्यकता वाले विद्यालय , केन्द्रीय विद्यालय, देवगढ़ , केन्द्रीय विद्यालय, धौलपुर , पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-7, जयपुर को सुधार हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देश भी दिए गए ।

श्री माधो सिंह ने सभी प्राचार्यों को संबोधित करते हुए निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया–प्रत्येक विद्यालय अपने बोर्ड परीक्षा परिणामों का विद्यालयवार, विषयवार एवं विद्यार्थीवार विश्लेषण अनिवार्य रूप से करें। कमजोर प्रदर्शन वाले विषयों एवं विद्यार्थियों की समय रहते पहचान कर उनके लिए विशेष शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम संचालित किए जाएँ। प्रत्येक विद्यालय आगामी सत्र हेतु स्पष्ट, मापनीय एवं परिणामोन्मुख लक्ष्य निर्धारित करें। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (Best Practices) का अध्ययन

कर उन्हें अन्य विद्यालयों में भी अपनाया जाए। नियमित शैक्षणिक अनुश्रवण, सतत मूल्यांकन, अभिभावकों की सहभागिता तथा शिक्षकों के प्रभावी मार्गदर्शन से बोर्ड परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित किया जाए।

द्वितीय दिवस का यह सत्र पूर्णतः परिणाम विश्लेषण, गुणवत्ता संवर्धन एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता पर केन्द्रित रहा। आदरणीय श्री माधो सिंह, सहायक आयुक्त ने तथ्यपरक आँकड़ों एवं विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से स्पष्ट किया कि उत्कृष्ट परिणाम सतत शैक्षणिक अनुश्रवण, योजनाबद्ध शिक्षण, नियमित मूल्यांकन तथा प्रभावी नेतृत्व का प्रतिफल हैं। उन्होंने सभी प्राचार्यों से आह्वान किया कि वे आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समर्पित भाव से कार्य करते हुए अपने विद्यालय के परिणामों में गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करें।

- द्वितीय दिवस के **तृतीय सत्र** का आयोजन वित्तीय प्रशासन, लेखांकन, बजट प्रबंधन, लेखा-परीक्षण तथा क्रय प्रक्रिया से संबंधितमहत्त्वपूर्ण विषयों पर किया गया। इस संयुक्त सत्र का संचालन सुश्री शिवानी सुनेजा, वित्त अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुख्यालय, नई दिल्ली तथा श्री प्रमोद कुमार वालिया, वित्त अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया।

सत्र के प्रारम्भ में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, करौली की प्राचार्या सुश्री आकांक्षा शर्मा द्वारा दोनों वित्त अधिकारियों का हरित अभिनन्दन (Green Welcome) कर आत्मीय स्वागत किया गया।

प्रथम प्रस्तुति , सुश्री शिवानी सुनेजा , वित्त अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुख्यालय, नई दिल्ली, सुश्री शिवानी सुनेजा ने विद्यालयों में वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया–

### 1. बजट निर्माण (Budgeting)

उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय को वार्षिक बजट का निर्माण वास्तविक आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों तथा भावी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। बजट का उपयोग निर्धारित मदों के अनुसार ही किया जाए तथा समय-समय पर उसकी समीक्षा भी की जाए।

### 2. लेखांकन (Accounting)

लेखांकन प्रणाली के संबंध में उन्होंने निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला– नकद आधारित लेखांकन (Cash Basis of Accounting) एवं उपार्जन आधारित लेखांकन (Accrual Basis of Accounting) की अवधारणा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में 31 मार्च तक सभी प्रकार की देनदारियाँ (Liabilities) वार्षिक लेखों के अनुसूची-3 (Schedule-3) तथा अग्रिम भुगतान (Advances) अनुसूची-8 (Schedule-8) में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किए जाएँ। वार्षिक लेखे (Annual Accounts) पूर्णतः ऑनलाइन टैली अकाउंटिंग पैकेज (Tally Accounting Package) के माध्यम से तैयार किए जाएँ।

लेखांकन संबंधी समस्त कार्य, जैसे–वाउचर प्रविष्टियाँ, लेखा संधारण, चेक मुद्रण (Cheque Printing), वित्तीय प्रतिवेदन आदि टैली प्रणाली के माध्यम से ही संपादित किए जाएँ।प्रत्येक विद्यालय में स्थायी सम्पत्ति पंजिका (Asset Register) का अद्यतन संधारण किया जाए तथा प्रत्येक परिसंपत्ति का मूल्यह्रास (Depreciation) भी अंकित किया जाए।

## 3. लेखा-परीक्षण (Auditing)

लेखा-परीक्षण की गुणवत्ता एवं दक्षता बढ़ाने हेतु उन्होंने निम्नलिखित निर्देश दिए– भविष्य में सक्रिय (Proactive) लेखा-परीक्षण प्रणाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) एवं System Driven Controls पर आधारित होगी। आन्तरिक लेखा-परीक्षण (Internal Audit) एवं महालेखाकार (AG Audit) द्वारा उठाई गई आपत्तियों का 60 दिनों के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। गहन आन्तरिक लेखा-परीक्षण (Intensive Internal Audit) से संबंधित प्रतिवेदन का उत्तर 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

## 4. वित्तीय योजना (Planning)

उन्होंने वित्तीय नियोजन के संबंध में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर बल दिया– समस्त क्रय प्रक्रियाएँ सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM Portal) के माध्यम से ही सम्पन्न की जाएँ। निम्न माध्यमों से किसी भी प्रकार की खरीद से बचा जाए– BOK, Link Based Purchase, Wrong Category Purchase, अथवा अन्य अनधिकृत माध्यम।

सक्षम प्राधिकारी की वित्तीय स्वीकृति निर्धारित सीमा तक अध्यक्ष द्वारा प्रदान की जा सकती है, जबकि उससे अधिक राशि के मामलों को माननीय उपायुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर की स्वीकृति हेतु अग्रेषित किया जाए।

कराधान (Taxation): उन्होंने कराधान संबंधी निम्नलिखितमहत्त्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए– ₹2.50 लाख से अधिक मूल्य की सेवा (Services) प्राप्त करने पर नियमानुसार TDS की कटौती की जाए। वस्तुओं (Goods) की खरीद पर लागू होने पर GST का पालन सुनिश्चित किया जाए। केवल वस्तुओं (Pure Goods) की खरीद पर TDS देय नहीं होगा, जबकि सेवाओं अथवा सेवा सम्मिलित खरीद पर नियमानुसार TDS की कटौती अनिवार्य होगी। क्रय नियमों का अनुपालना सुनिश्चित की जाए ।

उन्होंने सभी प्राचार्यों को निम्नलिखित नियमों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन एवं अनुपालन करने की सलाह दी– केवीएस शिक्षा संहिता (VVN-KVS Education Code) अध्याय-21, सामान्य वित्तीय नियम (GFR-2017) नियम-144 एवं अध्याय-6 GFR-2017 नियम-149, जिसके अनुसार अधिकतम खरीद GeM Portal पर Bid with Reverse Auction (RA) के माध्यम से करने का प्रयास किया जाए।

- अन्य महत्त्वपूर्ण निर्देश

उन्होंने निम्नलिखित विषयों पर भी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया– UBI Fee Portal का Activation एवं Deactivation केवल क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा किया जाएगा। विद्यालयों में किसी भी परिस्थिति में Offline Fee Collection नहीं की जाएगी। E-Pension Portal के प्रभावी उपयोग पर बल दिया गया। आयकर अधिनियम की प्रासंगिक व्यवस्थाओं के अनुसार आवश्यकतानुसार बैंक अभिलेखों का अद्यतन किया जाए। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23C)(iiiab) के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालयों को प्राप्त कर छूट के आधार पर Union Bank of India को पत्र लिखकर ब्याज पर TDS न काटने का अनुरोध किया जाए। नवीन आयकर अधिनियम-2025, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी है, के अनुसार वेतन से संबंधित TDS की कार्यवाही अब धारा 392 एवं 393 के अनुसार की जाएगी।

- द्वितीय प्रस्तुति श्री प्रमोद कुमार वालिया , वित्त अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर ने विद्यालयों के वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन से संबंधित अनेक व्यावहारिक विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।
- **प्रमुख बिंदु**

यदि GeM Portal पर कोई वस्तु अथवा सेवा उपलब्ध नहीं है, तो क्रय प्रक्रिया प्रारम्भ करने से पूर्व अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र (Non Availability Certificate - NAC) प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक खरीद के साथ CS-41 प्रपत्र का विवरण चेकलिस्ट के अनुरूप पूर्णतः मिलान किया जाए। विद्युत देयकों में Power Factor निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे अतिरिक्त वित्तीय भार से बचा जा सके। केवीएस शिक्षा संहिता के अध्याय-21 के अनुसार बजट पुनर्विनियोजन (Budget Reappropriation) की प्रक्रिया प्रत्येक वर्ष जनवरी माह तक पूर्ण कर ली जाए।

केवीएस शिक्षा संहिता के अध्याय -21 तथा अनुच्छेद-199 में वर्णित वित्तीय सीमा (Ceiling Limits) का प्रत्येक क्रय एवं व्यय में अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। स्थायी सम्पत्ति पंजिका (Asset Register) का मिलान वार्षिक लेखों की अनुसूची-4 से किया जाए तथा इसका आधार 01 अप्रैल 2022 का उद्घाटन शेष (Opening Balance) रखा जाए। Digitized Salary Package का परीक्षण (Trial) पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही इसका कार्यान्वयन सभी विद्यालयों में किया जाएगा। UBI Fee Collection System में संशोधन के अनुसार प्रत्येक माह 22 से 25 तारीख तक सभी विद्यालय क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर को समेकित सूची प्रस्तुत करने का श्रम करेगें तथा उसका सत्यापन भी करेगें ।

द्वितीय दिवस का तृतीय सत्र वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन, लेखा-परीक्षण, बजट निर्माण, कराधान, परिसंपत्ति प्रबंधन, GeM क्रय प्रणाली तथा डिजिटल वित्तीय प्रशासन पर अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा। सुश्री शिवानी सुनेजा एवं श्री प्रमोद कुमार वालिया द्वारा प्रस्तुत विस्तृत दिशा-निर्देशों ने वित्तीय पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, विधिसम्मत क्रय प्रक्रिया तथा डिजिटल लेखांकन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की स्पष्ट दिशा प्रदान की। सभी प्रतिभागी प्राचार्यों ने इन निर्देशों का अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया।

- वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के द्वितीय दिवस का चतुर्थ एवं समापन सत्र आधुनिक शिक्षण, डिजिटल नवाचार एवं शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन पर केन्द्रित रहा। इस सत्र में दो अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया– केन्द्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में डिजिटल सृजनात्मकता एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Digital Creativity & AI Skills in KVS Classrooms) और केवीएस शैक्षणिक पहल एवं विद्यालयीय तत्परता (KVS Academic Initiatives and School Readiness) ।

(1) केन्द्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में डिजिटल सृजनात्मकता एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Digital Creativity & AI Skills in KVS Classrooms) इस विषय पर विस्तृत प्रस्तुति श्री नितिन पावा, प्रतिनिधि, Adobe द्वारा दी गई। सत्र के प्रारम्भ में उन्होंने प्रत्येक प्राचार्य को विद्यालय के संगणक शिक्षकों के उपयोग हेतु Adobe द्वारा प्रकाशित दो संदर्भ पुस्तकों (Resource Books) का एक-एक सेट प्रदान किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि Adobe Express एक आधुनिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से शिक्षक एवं विद्यार्थी अत्यंत सरलता से आकर्षक, रचनात्मक एवं प्रभावशाली शैक्षणिक सामग्री (Digital Learning Content) तैयार कर सकते हैं। उन्होंने Adobe Express के विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन करते हुए बताया कि इसका उपयोग निम्नलिखित कार्यों में किया जा सकता है–

विषयवस्तु आधारित डिजिटल प्रस्तुतियाँ तैयार करना। शैक्षणिक पोस्टर, इन्फोग्राफिक्स एवं फ्लायर बनाना। लघु शैक्षणिक वीडियो एवं एनिमेशन तैयार करना। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) आधारित रचनात्मक सामग्री विकसित करना।

परियोजना-आधारित अधिगम (Project Based Learning) एवं दक्षता-आधारित शिक्षण (Competency Based Learning) को अधिक प्रभावी बनाना। विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता, नवाचार, रचनात्मक चिंतन एवं समस्या समाधान कौशल का विकास करना।

उन्होंने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं Adobe के संयुक्त प्रयासों से यह कार्यक्रम विद्यालयों में डिजिटल शिक्षण को नई दिशा प्रदान करेगा तथा शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग के लिए सक्षम बनाएगा। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि Adobe Express से संबंधित किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता अथवा प्रशिक्षण हेतु निम्नलिखित माध्यमों से संपर्क किया जा सकता है–

श्री नितिन पावा, मोबाइल: 9873422448, ई-मेल: kvsupport@adobe.com

(2) केवीएस शैक्षणिक पहल एवं विद्यालयीय तत्परता (KVS Academic Initiatives and School Readiness)

इस विषय पर विस्तृत एवं प्रेरणादायी सत्र श्री आर. सी. देहरू, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, हनुमानगढ़ द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने विद्यालयों में शैक्षणिक उत्कृष्टता, विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलों पर विस्तार से चर्चा की।

- प्रमुख बिंदु

1. मासिक कक्षा पुरस्कार (Monthly Classroom Award)

विद्यालयों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं अनुशासन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रत्येक माह श्रेष्ठ कक्षा पुरस्कार प्रदान करने पर बल दिया गया। इसके लिए स्वच्छता, अनुशासन, उपस्थिति, अधिगम, गतिविधियों में सहभागिता एवं कक्षा की समग्र गुणवत्ता को मूल्यांकन के आधार के रूप में अपनाने का सुझाव दिया गया।

2. अल्पाहार विश्राम (Snacks Break)

विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय समय में संतुलित एवं सुव्यवस्थित अल्पाहार विश्राम सुनिश्चित करने पर बल दिया गया, जिससे विद्यार्थियों की एकाग्रता एवं सीखने की क्षमता में वृद्धि हो सके।

3. "राइजिंग स्टार डे सेलिब्रेशन" (Rising Star Day Celebration) एक विशेष कार्यक्रम जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं की छिपी हुई प्रतिभाओं (जैसे नृत्य, गायन, भाषण, खेल या कला) की पहचान कर उनका सम्मान करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है। विद्यालयों में प्रतिभाशाली एवं प्रगतिशील विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से राइजिंग स्टार डे मनाने का सुझाव दिया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने की अनुशंसा की गई।

4. मूल्यांकन एवं अनुश्रवण (Assessment & Monitoring)

उन्होंने अधिगम परिणामों की निरंतर समीक्षा, नियमित मूल्यांकन, शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक अनुश्रवण तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए समयबद्ध सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया।

5. त्रिभाषा सूत्र (Three Language Formula - R-3 Language Formula)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप त्रिभाषा सूत्र के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता एवं भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान विकसित करने पर बल दिया गया।

6. समग्र प्रगति कार्ड

उन्होंने विद्यालयों में समग्र प्रगति कार्ड (HPC) के प्रभावी उपयोग एवं उसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के सतत अनुश्रवण पर प्रकाश डाला।

7. अभिकलनात्मक चिंतन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (CT & AI)

विद्यार्थियों में अभिकलनात्मक चिंतन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि भविष्य की शिक्षा में इन दोनों विषयों का विशेष महत्त्व होगा। विद्यालयों को इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने हेतु आवश्यक गतिविधियाँ संचालित करनी चाहिए।

8. मूल्यांकन एवं अधिगम परिणाम (Assessment & Evaluation)

उन्होंने सतत एवं समग्र मूल्यांकन, दक्षतामूलक प्रश्नों, अधिगम परिणामों के विश्लेषण तथा विद्यार्थियों की व्यक्तिगत प्रगति के नियमित अनुश्रवण पर विशेष बल दिया, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

द्वितीय दिवस का समापन सत्र डिजिटल नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रचनात्मक शिक्षण, शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन तथा विद्यालयीय तत्परता जैसे समकालीन विषयों पर केन्द्रित रहा। श्री नितिन पावा द्वारा Adobe Express एवं AI आधारित शिक्षण संसाधनों का प्रभावी उपयोग प्रस्तुत किया गया, जबकि श्री आर. सी. देहरू ने केवीएस की विभिन्न शैक्षणिक पहलों, सतत मूल्यांकन, त्रिभाषा सूत्र, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस प्रकार सम्मेलन के द्वितीय दिवस के सभी सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं व्यावहारिक सिद्ध हुए। इन सत्रों ने प्राचार्यों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, वित्तीय अनुशासन, खेल संस्कृति, डिजिटल नवाचार तथा शैक्षणिक नेतृत्व के क्षेत्र में नई दृष्टि एवं स्पष्ट कार्ययोजना प्रदान की, जिससे आगामी शैक्षणिक सत्र में केन्द्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

## वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 दिवसवार प्रतिवेदन

- तृतीय दिवस प्रतिवेदन
- दिनांक: 29 जुलाई 2026 (बुधवार)

➢ वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के तृतीय दिवस का शुभारम्भ प्रातःकालीन सत्र के साथ हुआ। इस सत्र का संचालन आदरणीय श्री दिनेश चन्द्र मीणा, सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development-CPD), पीएम श्री योजना (PM SHRI Scheme), अधिगम उपलब्धि परीक्षण (Learning Achievement Test-LAT) तथा परख (PARAKH) जैसे महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक विषयों पर विस्तृत पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया।

### 1. सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development - CPD)

श्री दिनेश चन्द्र मीणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुच्छेद 5.15 का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रत्येक शिक्षक के लिए प्रतिवर्ष 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास (CPD) प्रशिक्षण पूर्ण करना अनिवार्य है। इसका उद्देश्य शिक्षकों के ज्ञान, कौशल, शिक्षण दक्षता एवं व्यावसायिक क्षमता का निरंतर उन्नयन करना है। उन्होंने सीपीडी के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देशों (Revised Guidelines) का विस्तृत परिचय देते हुए विद्यालयों को निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया– प्रत्येक विद्यालय वार्षिक सीपीडी प्रशिक्षण कैलेंडर

(CPD Training Calendar) तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का चयन विद्यालय की आवश्यकताओं एवं शिक्षकों की व्यावसायिक उन्नति को ध्यान में रखकर किया जाए। प्रत्येक शिक्षक के 50 घंटे के प्रशिक्षण का समुचित अभिलेखीकरण एवं अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का कक्षा-कक्ष में प्रभावी उपयोग किया जाए। श्रेष्ठ कार्यप्रणाली (Best Practice) का क्रियान्वयन माननीय उपायुक्त महोदय की अनुमति से जयपुर क्षेत्र में निम्नलिखित श्रेष्ठ कार्यप्रणाली (Best Practice) को लागू करने का सुझाव दिया गया– ऑन-ड्यूटी शिक्षकों के स्थान पर विकल्प व्यवस्था (Substitute Module) विकसित कर विद्यार्थियों के लिए फलदायी शैक्षणिक संलग्नता (Fruitful Engagement) सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी कक्षा का शिक्षण कार्य बाधित न हो। इस व्यवस्था को कार्य-आधारित अनुसंधान (Action Research) के रूप में विकसित कर उसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जाए। विद्यालय स्तर पर सीपीडी गतिविधियों को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से संचालित किया जाए।

## 2. पीएम श्री योजना (PM SHRI Scheme)

पीएम श्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा करते हुए श्री दिनेश चन्द्र मीणा ने बताया कि सभी पीएम श्री विद्यालयों को भारत सरकार एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना आवश्यक है।

उन्होंने निम्नलिखित निर्देश प्रदान किए– विद्यालय परिसर के प्रमुख एवं दृष्टिगोचर स्थान पर पीएम श्री योजना का अधिकृत सूचना-पट्ट (Banner) वर्ष 2026 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। पीएम श्री योजना से संबंधित समस्त अभिलेख, गतिविधियाँ एवं प्रपत्र अद्यतन रखे जाएँ। प्रत्येक विद्यालय निरीक्षण (School Inspection) के समय पीएम श्री योजना का निर्धारित प्रारूप (Format) पूर्ण रूप से तैयार रखे तथा निरीक्षण दल के समक्ष प्रस्तुत करे। विद्यालय में संचालित समस्त पीएम श्री गतिविधियों का नियमित दस्तावेजीकरण एवं प्रमाण संधारित किया जाए।

## 3. अधिगम उपलब्धि परीक्षण (Learning Achievement Test - LAT)

अधिगम उपलब्धि परीक्षण (LAT) के संबंध में श्री दिनेश चन्द्र मीणा ने बताया कि प्रत्येक माह LAT (Learning Achievement Test) का नियमित आयोजन किया जाए। प्रश्न-पत्रों का निर्माण विद्यालय अथवा क्षेत्रीय स्तर पर गठित LAT समिति द्वारा किया जाए। प्रश्न-पत्र दक्षतामूलक (Competency Based), अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) पर आधारित तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार किए जाएँ। LAT के परिणामों का विषयवार एवं विद्यार्थीवार विश्लेषण कर कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) की कार्ययोजना तैयार की जाए। LAT के माध्यम से विद्यार्थियों की अधिगम प्रगति का सतत अनुश्रवण किया जाए।

## 4. परख (PARAKH)

अपने व्याख्यान में श्री दिनेश चन्द्र मीणा ने PARAKH (Performance Assessment, Review and Analysis of Knowledge for Holistic Development) की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मूल्यांकन प्रणाली को अधिक दक्षतामूलक, पारदर्शी, विश्लेषणात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा रहा है। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपेक्षा जाहिर करते हुए सुझाव दिया कि विद्यालयों में मूल्यांकन प्रक्रिया को PARAKH के सिद्धांतों के अनुरूप विकसित किया जाए तथा शिक्षकों को दक्षतामूलक प्रश्न निर्माण एवं अधिगम परिणाम आधारित मूल्यांकन के लिए निरंतर प्रशिक्षित किया जाए।

तृतीय दिवस का प्रथम सत्र अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं भविष्य उन्मुख रहा। आदरणीय श्री दिनेश चन्द्र मीणा, सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर ने सतत व्यावसायिक विकास (CPD), पीएम श्री योजना, अधिगम उपलब्धि परीक्षण (LAT) तथा PARAKH जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विशेष रूप से विद्यालयों में श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के क्रियान्वयन, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, डिजिटल अभिलेखीकरण, दक्षतामूलक मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में सतत सुधार पर बल देते हुए सभी प्राचार्यों का आह्वान किया कि वे इन पहलों को प्रभावी ढंग से लागू कर विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचारी शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएँ।

- वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के तृतीय दिवस के द्वितीय सत्र का संचालन आदरणीय श्री नीरज शर्मा, अनुभाग अधिकारी (Section Officer), केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा किया गया। इस सत्र में उन्होंने राजभाषा, सीपीग्राम्स (CPGRAMS), न्यायालयीन प्रकरण (Court Cases in KVS) तथा प्रशासनिक उत्तरदायित्व से संबंधितमहत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री नीरज शर्मा ने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन प्रत्येक केन्द्रीय विद्यालय का वैधानिक दायित्व है। उन्होंने विद्यालयों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर विशेष बल देते हुए निम्नलिखित निर्देश प्रदान किए– कार्यालयीन पत्राचार, कार्यालय आदेश, अधिसूचनाएँ, प्रतिवेदन एवं अन्य प्रशासनिक अभिलेखों में यथासंभव हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाए। सीपीग्राम्स (CPGRAMS - Centralized Public Grievance Redress and Monitoring System) के संबंध में उन्होंने बताया कि यह भारत सरकार का ऑनलाइन जन-शिकायत निवारण एवं अनुश्रवण तंत्र है, जिसके माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना अनिवार्य है।

उन्होंने निम्नलिखितमहत्त्वपूर्ण निर्देश दिए– सीपीग्राम्स पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरतापूर्वक परीक्षण किया जाए। शिकायतों का उत्तर तथ्यों, अभिलेखों एवं प्रचलित नियमों के आधार पर तैयार किया जाए। प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। केन्द्रीय विद्यालय संगठन में न्यायालयीन प्रकरण (Court Cases in KVS) न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के संबंध में श्री नीरज शर्मा ने प्राचार्यों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक न्यायालयीन प्रकरण में समयबद्ध एवं तथ्यपरक कार्यवाही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निम्नलिखित निर्देश प्रदान किए– न्यायालय अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्राप्त प्रत्येक नोटिस का तत्काल संज्ञान लिया जाए। वाद से संबंधित समस्त अभिलेख सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखे जाएँ।

न्यायालयीन प्रकरणों में तथ्यों की शुद्धता एवं अभिलेखीय प्रमाणों का विशेष ध्यान रखा जाए। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा मांगी गई सूचना एवं टिप्पणियाँ निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराई जाएँ।

- तृतीय दिवस के तृतीय सत्र का संचालन श्री परस सैनी, प्रतिनिधि, श्री अरविन्द सोसाइटी (SAS) द्वारा किया गया। उन्होंने कक्षा 1 से 8 तक के लिए दक्षतामूलक पाठ योजनाओं (Competency-Based Lesson Plans) के विकास में श्री अरविन्द सोसाइटी एवं केवीएस शिक्षकों के संयुक्त प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कक्षा-आधारित मूल्यांकन (CBA) का प्रशिक्षण प्राप्त सभी शिक्षक विद्यालय स्तर पर अन्य शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करें। My Learning Assessment App का उपयोग विद्यालय के UDISE Code के माध्यम से करने तथा रूपांतर (RUPANTAR) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्धारित चरणों (Key Steps for Ground Level Implementation) का पालन करने पर बल दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि LAT के क्रियान्वयन में केवीएस जयपुर क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवें स्थान पर रहा। इस अवसर पर माननीय उपायुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि केवल उच्च स्तरीय प्रदर्शन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यालयों में अधिगम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट दिखाई दे तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता (Learning Capacity) के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- तीन दिवसीय सम्मेलन के तृतीय दिवस के चतुर्थ सत्र का संचालन श्री शिवलाल, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, अनूपगढ़ द्वारा किया गया। उन्होंने STEAM (Science, Technology, Engineering, Arts & Mathematics) आधारित शिक्षा की अवधारणा पर विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों में नवाचार, सृजनात्मकता, अनुसंधान, उद्यमिता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने विद्यालयों में संचालित प्रमुख कार्यक्रमों एवं गतिविधियों जैसे INSPIRE Award-MANAK, NCSC, RBVP, ATL (Atal Tinkering Lab), YUVIKA, PRAYAS, Soil Health Programme, Mathematics Olympiad, Vigyan Jyoti, Eco Club - Mission LiFE, SAKURA, KYC (Know Your chandrayan), Vigyan Pratibha, SIS(School Innovation Counsil), JIGYASA, Kala Utsav तथा Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB) के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार क्षमता, नेतृत्व कौशल तथा समग्र व्यक्तित्व का विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।
- तृतीय दिवस के पंचम सत्र का संचालन श्री योगेश भारती, संबंध प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (अजमेर) एवं उनके साथ आए चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया। उन्होंने केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कर्मचारियों हेतु यूनियन बैंक वेतन खाते (Salary Account) की विशेष सुविधाओं एवं बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी। प्रस्तुति में रुपे (RuPay) एटीएम/डेबिट कार्ड, व्यक्तिगत एवं गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, डिजिटल बैंकिंग सुविधाएँ, इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग, बीमा लाभ तथा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध विशेष रियायती बैंकिंग योजनाओं का विस्तृत परिचय कराया गया। साथ ही बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली त्वरित एवं सरल ऋण प्रक्रिया तथा वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध विशेष सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला गया। यह सत्र सभी प्राचार्यों के लिए उपयोगी एवं जानकारीवर्धक सिद्ध हुआ। अंत में सभी उपस्थित व्यक्तियों को उपहार स्वरूप एक एक बैग भेंट किया।

- वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के समापन सत्र को माननीय श्री संजीत कुमार, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर ने संबोधित किया। उन्होंने गैर-बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणामों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए सभी प्राचार्यों को आगामी सत्र में स्थानीय परीक्षा परिणामों में न्यूनतम 5% वृद्धि सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि मंदगति से सीखने वाले विद्यार्थियों (Slow Bloomers) की सूची सदैव प्राचार्य के स्तर पर उपलब्ध रहे तथा ऐसे विद्यार्थियों के लिए नियमित अनुश्रवण एवं विशेष शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अभिभावकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने, प्रत्येक विद्यार्थी को अपनाकर (adopt) उसकी प्रगति पर व्यक्तिगत ध्यान देने, LAT आधारित प्रश्न-पत्रों का नियमित अभ्यास कराने तथा कक्षा IX के लिए पृथक उत्तीर्णता मानदण्डों का पालन करने पर विशेष बल दिया। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यार्थियों के अनुमानित स्कोर (Predictive Score) एवं वास्तविक स्कोर (Real Score) का समयबद्ध रूप से समागम पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

- अपने प्रेरणादायी उद्बोधन का समापन उन्होंने इन पंक्तियों के साथ किया–

"मंज़िल की जुस्तजू में मुकद्दर न देखना,
एक बार चल दिए तो पलटकर न देखना।
मोती की है अगर आरज़ू तो साहिल पर ठहरकर,
गहरा है किस कदर ये समंदर न देखना।"

इसके उपरांत माननीय उपायुक्त महोदय द्वारा कक्षा X एवं XII बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक श्रेष्ठ विद्यालयों, संकुलों तथा राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता (NSM) में सर्वाधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले शीर्ष तीन विद्यालयों को ट्रॉफी प्रदान कर, पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्कृष्ट कार्य, समर्पण एवं उपलब्धियों के प्रति प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का प्रतीक रहा।

अंत में डॉ. हितेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, आर्मी, जोधपुर ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, प्राचार्यों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी के साथ तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 का सफलतापूर्वक एवं प्रेरणादायी वातावरण में समापन हुआ।

**जय केन्द्रीय विद्यालय संगठन ! जय भारत ! विकसित भारत !**